

सुजोधन पुं. (तद्.) सुयोधन, दुर्योधन, धृतराष्ट्र पुत्र।
सुजोर वि. (तत्+फा.) जोरदार, प्रबल, पक्का, मजबूत, दृढ़, अच्छे जोड़ों वाला, सुदृढ़।

सुज्ञ वि. (तत्.) अच्छा ज्ञाता, सुविज्ञ, पंडित।

सुज्ञाखा वि. (देश.) जिसे दिखाई देता हो, चतुर, होशियार।

सुज्ञाना स.क्रि. (तद्.) दिखाना, सुझाव के रूप में कोई नई बात कहना, किसी के ध्यान में नई बात लाना, सूचना देना, बताना, नई तरकीब बताना।

सुझाव पुं. (तद्.) सुझाने की क्रिया या भाव, वह नई बात जिसकी ओर ध्यान आकृष्ट किया गया हो, प्रस्ताव या सलाह।

सुटंक वि. (तत्.) कठोर, कर्कश या जोर का शब्द।

सुटकुन स्त्री. (देश.) पतली छोटी छड़ी।

सुटुकना स.क्रि. (देश.) सुटका मारना, चाबुक लगाना अ.क्रि. सटकना, सुड़कना।

सुठ वि. (देश.) उत्तम, अच्छा, बढ़िया।

सुठहर पुं. (देश.) अच्छा ठिकाना, ठहरने का अच्छा स्थान।

सुठार वि. (देश.) सुडौल

सुड़क स्त्री. (तद्.) सुड़कने की क्रिया या भाव, नाक सुड़कते समय होने वाली ध्वनि।

सुड़कना स.क्रि. (तद्.) किसी द्रव को नाक के मार्ग से साँस के साथ अंदर खींचना, नाक के कंपन को साँस के साथ अंदर खींचना, 'सुड़-सुड़' की ध्वनि करते हुए पीना।।

सुड़ढा पुं. (देश.) धोती की वह लपेट जिसमें रुपया-पैसा रखते हैं, अंटी, आँट।

सुड़-सुड़ स्त्री. (अनु.) सुड़सुड़ाने की क्रिया या भाव, सुड़सुड़ाने से उत्पन्न ध्वनि।

सुड़सुड़ाना स.क्रि. (अनु.) कोई कार्य करते हुए सुड़-सुड़ की ध्वनि निकालना।

सुडीनक पुं. (तत्.) पक्षियों की एक विशेष प्रकार की उड़ान।

सुडौल वि. (तत्.) अच्छे डील-डौलवाला, हष्ट-पुष्ट, हट्टा-कट्टा, सुघड़, सुंदर।

सुढंग वि. (तत्.) जिसका ढंग सुंदर हो पुं. अच्छा ढंग या प्रकार, अच्छी रीति।

सुढर वि. (तत्.) सुंदर ढला हुआ, सुडौल, सुंदर, दयालु स्वभाव वाला, सहज प्रसन्न होने वाला, कुपालु।

सुढार वि. (तत्.) सुंदर ढला हुआ, सुडौल सुंदर उत्तम ढाल या ऊँचे-नीचे के क्रम वाला उदा. 'कनक बरन सुढार सुंदरि'- सूरसागर (10/676)।

सुणघड़िया पुं. (देश.) घड़िया (गढ़ने वाला) सुनार।

सुणहर पुं. (तद्.) शयनगृह, शयनागार।

सुतंत वि. (देश.) स्वाधीन, बंधनरहित, आजाद स्वच्छद

सुतंतु पुं. (तत्.) शिव, विष्णु।

सुतंत्रि पुं. (तत्.) वह जो तार के बाजे (वीणा आदि) बजाने में निपुण हो, वह जो तंत्र वाद्य अच्छी तरह बजाता हो वि. बढ़िया तारों वाला (वाद्य) मधुर स्वरवाला।

सुत पुं. (तत्.) पुत्र, बेटा वि. निचोड़ कर निकाला हुआ (रस)।

सुतकरी स्त्री. (तत्.) स्त्रियों के पहनने की पुरानी चाल की जूती।

सुत जीवक पुं. (तत्.) पुत्र जीव (वृक्ष)।

सुतत्व पुं. (तत्.) सुत होने की अवस्था या भाव।

सुतदा स्त्री. (तत्.) पुत्र या सुत देने वाली।

सुतद्रदन पुं. (तत्.) कोयल, कोकिल पक्षी।

सुतनु वि. (तत्.) सुंदर शरीर वाला, सुंदर सूरत, सुकुमार शरीर वाला, नाजुक स्त्री. सुंदर स्त्री, कोमलांगी स्त्री, अक्रूर की पत्नी का नाम, उग्रसेन की एक कन्या।

सुतप वि. (तत्.) सोमपान करने वाला।